SHAKUNTALAM INSTITUTE OF TEACHERS EDUCATION

KIRHINDIH, KUMHAU STATION ROAD, SHIVSAGAR

COURSE NAME – B.Ed. 2nd year **SESSION** – 2020 - 2022

SUBJECT - Assessment for learning

TOPIC NAME – Assessment of learning [Concept of Evaluation]

DATE - 17-01-2022

मुल्यांकन का अर्थ

- 20 वीं सदी के आरम्भ से ही शैक्षणिक मापन के क्षेत्र में तीन प्रमुख प्रगतियाँ दृष्टिगोचर हुई है — 1. परीक्षण
  2. मापन
  3. मूल्यांकन

- शिक्षण क्रियाओं द्वारा ज्ञानात्मक, भावनात्मक तथा क्रियात्मक पक्षों का विकास किया जाता है।
- शिक्षा के अन्तर्गत केवल छात्रों की निष्पत्तियों का मापन करना ही प्राप्त नहीं होता है, अपितु 1 शिक्षण की प्रक्रिया
  2 शिक्षण विधियों
  3 शिक्षण सहायक सामग्री
  4 पुस्तकें
  5 शिक्षण उद्देश्य आदि सभी तत्वों एवं क्रियाओं की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना आवश्यक होता है।

~~इन सभी को विस्तार पूर्वक लिखना है:-~~

1. शिक्षण की प्रक्रिया ⇒

2. शिक्षण विधियों ⇒

3. शिक्षण सहायक सामग्री ⇒

4. शिक्षण उद्देश्य ⇒

V.V.I • शिक्षक जब उद्देश्यों के लिए अधिगम परिस्थितियों का सावधानी से निर्धारण कर लेता है तब मूल्यांकन के लिए परीक्षा का निर्माण किया जाता है।

- इस परीक्षा से यह निश्चय किया जाता है कि इन उद्देश्यों की प्राप्ति कहाँ तक हो सकी है।

अपना मत मत (Swami) — मुल्यांकन एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके द्वारा अधिगम परिस्थितियों तथा सीखने के अनुभवों के लिए प्रयुक्त की जाने वाली सभी विधियों की उपायदेयता की जाँच की जाती है।

= क्वालेन के मतानुसार — "विद्यालय में हुए छात्रों के व्यवहार परिवर्तनों के संबंध में प्रदत्तों (आकड़ों) के संकलन तथा उनकी व्याख्या करने की प्रक्रिया को मुल्यांकन कहते है।

= वेस्ले और कार्टराइट के मतानुसार — " मूल्यांकन शिक्षा प्रक्रिया का वह अंग है, जिसके द्वारा इस बात की जाँच की जाती है कि एक निश्चित समय में शिक्षा के उद्देश्यों की पूर्ति कहाँ तक हुई है? बालक के व्यवहार में कहाँ तक अन्तर आया है और शिक्षक ने इस दिशा में कितना सहयोग दिया है?"

मुल्यांकन की विशेषताएँ

- मुल्यांकन द्वारा यह मालूम किया जाता है कि उद्देश्यो की प्राप्ति कहाँ तक हो सकी है।
- मुल्यांकन प्रक्रिया से यही निश्चय किया जाता है की किन विशिष्ट उद्देश्यों की प्राप्ति नही हो सकी है, ताकि समुचित उपचारात्मक अनुदेशन दिया जा सके।
- कक्षा में छात्रों की उद्देश्यो की प्राप्ति के अनुसार स्तरीकरण किया जा सके।
- शिक्षण की विधियों की उपदेयता (क्या प्राप्त किया) और उनकी कमजोरियों को भी ज्ञात किया जाता है।
- शिक्षण व्यूह में सुधार तथा विकास किया जाता है।
- मुल्यांकन प्रक्रिया शिक्षक तथा छात्र दोनो के लिए कार्य करती है।

मूल्यांकन के उद्देश्य
Objectives of Evaluation

बालको की सफलता, विफलता, बाधाएँ तथा कठिनाइयों का समुचित निर्धारण करना
बालको ने योग्यताओं, कुशलताओं, रुचियो, समझदारी आदि को अपने स्वयं में किस
सीमा तक ग्रहण किया है। इसी की जाँच करना।

मूल्यांकन बालकों को उचित, शीघ्र एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन देने में सहाय
होता है।

- शैक्षिक कार्यक्रम शिक्षण विधियों आदि की उपयुक्तता की जाँच करना।
- पाठ्यक्रम सुधार में सहायक
- शिक्षको की सफलता एवं कुशलता का माप करने में उपयुक्त।

मापन व मूल्यांकन के उपकरण
[Tools of Measurement and Evaluation]

1. अवलोकन (observation)

अवलोकन के तीन प्रकार :
1. नियन्त्रित या अनियन्त्रित [Controlled or Uncontrolled]
2. बाह्य या स्वयं प्रेरित [External or Internal]
3. निर्देशन या उत्पत्ति [Directed or Finding]
4. प्रमापीकृत या अप्रमापीकृत [Standardised or Natural]

* अवलोकन का 2 अन्य प्रकार :
1. प्रत्यक्ष अवलोकन [Direct observation]
2. अप्रत्यक्ष अवलोकन [Indirect observation]

2. परीक्षण (Test)

* परीक्षण की प्रकृति के आधार पर 3 प्रकार का :
1. मौखिक परीक्षण [Oral Tests]
2. लिखित परीक्षण [Written tests]
3. प्रयोगात्मक परीक्षण [practical Tests]

* परीक्षण के प्रशासन के आधार पर परीक्षण के 2 भाग :
1. व्यक्तिगत परीक्षण [Individual Test]
2. सामूहिक परीक्षण [Group test]

* परीक्षण में प्रयुक्त सामग्री के प्रस्तुतिकरण के आधार पर भी परीक्षण के 2 भाग :
1. शाब्दिक परीक्षण [Verbal Test]
2. अशाब्दिक परीक्षण [Non-verbal Test]

* परीक्षणों की रचना के आधार पर परीक्षणों को 3 भाग :
1. प्रमापीकृत परीक्षण [Standardized Test]
2. अप्रमापीकृत परीक्षण [Unstandardized Test]
3. अध्यापक निर्मित परीक्षण [Teacher-made Tests]

* प्रश्नों के उत्तर के फलांकन (scoring) के आधार पर 2 भाग :
1. निबन्धात्मक परीक्षण [Essay type tests]
2. वस्तुनिष्ठ परीक्षण [Objective type Tests]

3. साक्षात्कार (Interview)

* साक्षात्कार के 2 प्रकार :
1. प्रमापीकृत साक्षात्कार [Standardized Interview]
2. अप्रमापीकृत साक्षात्कार [Unstandardized Interview]

* उद्देश्य के अनुरूप साक्षात्कार के कई प्रकार :
1. सूचनात्मक साक्षात्कार [Informational Interview]
2. परामर्श साक्षात्कार [Counselling Interview]
3. निदानात्मक साक्षात्कार [Diagnostic Interview]
4. उपचारात्मक साक्षात्कार [Remedial Interview]
5. चयन साक्षात्कार [Selection Interview]
6. अनुसंधान साक्षात्कार [Research Interview]

* साक्षात्कार की सम्पूर्ण प्रक्रिया को तीन भाग :
1. साक्षात्कार प्रारम्भ करना [Opening of Interview]
2. साक्षात्कार का मुख्य भाग [Main body of Interview]
3. साक्षात्कार का समापन करना [End of Interview]

4. अनुसूची [Schedule]

* अनुसूची के प्रकार
1. अवलोकन अनुसूची [Observational Scheduled]
2. साक्षात्कार अनुसूची [Interview Scheduled]
3. दस्तावेज अनुसूची [Document Scheduled]
4. मूल्यांकन अनुसूची [Evaluation Scheduled]
5. निर्धारण अनुसूची [Rating Scheduled]

5. प्रश्नावली [Questionnaire]

* उत्तर प्रदान करने के आधार पर प्रश्नावली 2 प्रकार की हो सकती है।
i. प्रतिबन्धित प्रश्नावली (Closed form Questions)
ii. मुक्त प्रश्नावली (open form Questionnaire)

6. निर्धारण मापनी (Rating Scale)

* इसके प्रकार
i. चैकलिस्ट (checklist)
ii. आंकिक मापनी (Numerical Scale)
iii. ग्राफिक मापनी (Graphic Scale)
iv. क्रमिक मापनी (Ranking Scale)
v. स्थानिक मापनी (position Scale)
vi. बाध्य चयन मापनी (Forced choice Scale)

...ive Techniques]

...प्रक्षेपीय तकनीकों में व्यक्ति ...द्वारा दी जाने वाली प्रतिक्रिया ...के आधार पर इन्हें 5 भागों में बाँटा गया है :-

i. साहचर्य तकनीकें (Association Techniques)
ii. रचना तकनीकें (Construction Techniques)
iii. पूर्ति तकनीकें (Completion Techniques)
iv. क्रम तकनीक (Ordering Techniques)
v. अभिव्यक्ति तकनीकें (Expressive Techniques)

8. समाजमिति (Sociometry)

* समाजमितीय प्रश्नों के लिए प्राप्त उत्तरों से तीन प्रकार का सामाजमितिय विश्लेषण :

i. सामाजमितिय मैट्रिक्स (Sociometric Matrix)
ii. सोशियोग्राम (Socio Gram)
iii. सामाजमितिय गुणांक (Sociometric Index)

* सामाजमिति में प्रयुक्त होने वाली विधियाँ :

1. प्रश्नावली
2. निरीक्षण

* प्रश्नावली विधि के दो प्रकार :-

i. स्वीकारात्मक प्रश्न (positive Questions),
ii. नकारात्मक प्रश्न (Negative Questions)

9. संचयी अभिलेख [Cumulative Records]

10. ऐनकडोटल अभिलेख [Anecdotal Records]

मापन तथा मूल्यांकन के तकनीक
[Techniques of Measurement and Evaluation]

* इसको पाँच वर्गों में बाँटा गया है :—

1. अवलोकन तकनीक [Observation Techniques]
2. स्व-आख्या तकनीक [Self-Report Techniques]
3. परीक्षण तकनीक [Testing Techniques]
4. समाजमितिय तकनीक [Sociometric Techniques]
5. प्रक्षेपीय तकनीक [projective Techniques]